वर्ष :: 32 अंक : 48
पृष्ठ : 08 :: मूल्य 2 रुपए मात्र

मिथिला वर्णन
स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता
झारखंड-बिहार का लोकप्रिय हिन्दी साप्ताहिक

/mithilavarnan

बोकारो :: रविवार, 4 सितंबर, 2022 News & E-paper : www.varnanlive.com E-mail : mithilavarnan@gmail.com

पूरे परिवार के लिये आध्यात्मिक पत्रिका

अवश्य पढ़ें
निखिल-मंत्र-विज्ञान
14ए, मैनरोड, हाईकोर्ट कॉलोनी, जोधपुर (राज.)
फोन : (0291) 2624081, 263809

झारखंड में बेखौफ हुए कट्टरपंथी

दुस्साहस... कानून-व्यवस्था को दे रहे चुनौती, राजनीतिक आकाओं का वरदहस्त मिलने से बढ़ा मनोबल; विपक्ष की सरकार को घेरने की तैयारी

विशेष संवाददाता

रांची : झारखंड में कट्टरपंथियों की बर्बरता और आक्रामकता की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही है। हाल के दिनों में जो घटनाएं सामने आने लगी हैं, उससे तो यही लगता है कि इन कट्टरपंथियों में कानून का कोई खौफ नहीं रह गया है। संभवतः इन्होंने भारतीय संविधान को पैरों तले रौंदने का इरादा बना रखा है। इनका मन और मिजाज इतना बढ़ा हुआ है कि ये भारत की कानून-व्यवस्था को खुलेआम चुनौती देने लगे हैं। ...और इसका प्रमुख कारण है, इनके सिर पर इनके राजनीतिक आकाओं का वरदहस्त प्राप्त होना, जो तुष्टीकरण की घृणित राजनीति करते हुए महज वोट बैंक की खातिर इनके सारे कुकर्मों को नजरअंदाज किये जा रहे हैं। झारखंड के दुमका में युवक शाहरुख द्वारा एक बेटी अंकिता को जिंदा जला देने की घटना के बाद ऐसे कई मामले सामने आने लगे हैं, जो यह स्पष्ट करते हैं कि प्रदेश में कट्टरपंथियों के हौसले किस तरह से बढ़ते जा रहे हैं। दुमका में अंकिता को तेजाब छिड़ककर जलाने की घटना के बाद एक और मामला सामने आया, जिसमें एक नाबालिग लड़की कथित 'लव जिहाद' की शिकार हो गई। दुमका के ही रानीश्वर में 15 वर्षीय एक किशोरी के साथ दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या कर उसके शव को पेड़ से लटका दिया गया। पुलिस ने इस मामले में नामजद आरोपी अरमान अंसारी को गिरफ्तार कर लिया है। दुमका के डंगालपाड़ा, सानीडंगाल, जरुवाडीह और बंदरजोड़ी के अलावा साहिबगंज, पाकुड़ और जामताड़ा में भी ऐसी घटनाओं के कई उदाहरण सामने आये हैं।

इन घटनाओं के बीच ही राज्य के पलामू में कट्टरपंथियों का हैरान करने वाला एक कारनामा सामने आया। पलामू जिले में कथित तौर पर समुदाय विशेष के लोगों ने 50 दलित परिवारों को उस गांव से निकाल दिया, जहां वे पिछले चार दशकों से रह रहे थे। फिलहाल इस मामले में 12 लोगों और 150 अज्ञात लोगों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। दरअसल, पलामू जिले में बीते चार दशकों से रहने वाले मुसहर जाति के 50 परिवारों को एक समुदाय विशेष के दबंगों ने गांव से मारपीट कर भगा दिया और उनके घरों को तोड़ डाले।

फिर इसी बीच शनिवार को प्रदेश के लोहरदगा में भी एक आदिवासी नाबालिग बेटी के साथ कथित 'लव जिहाद' का मामला सामने आया, जिसमें अपना धर्म छुपाकर खुद को आदिवासी बताते हुए अल्पसंख्यक समुदाय के एक युवक ने नाबालिग आदिवासी युवती से दोस्ती की, उससे प्यार का ढ़ोंग रचा और शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। जब सच्चाई सामने आई तो उस युवक ने युवती का धर्म-परिवर्तन करवाने का दबाव डाला और जब बात नहीं मानी तो कुएं में धकेलकर युवती को जान से मारने का प्रयास किया। लेकिन, ग्रामीणों की मदद से युवती की जान बच गई। पुलिस ने आरोपी रब्बानी अंसारी को पोक्सो एक्ट समेत अन्य धाराओं के तहत गिरफ्तार किया है।

इससे पहले झारखंड के कई जिलों में अल्पसंख्यक आबादी वाले इलाकों में शुक्रवार को सरकारी विद्यालयों में जबरन छुट्टी दिये जाने के मामले भी सामने आये थे, लेकिन राज्य के शिक्षा मंत्री की ओर से पहल किये जाने के बाद भी इस दिशा में कोई सार्थक कार्रवाई नहीं की जा सकी। इस बीच राज्य की सरकार खुद भागम-भाग की स्थिति में रही। इस बात की चिन्ता किसी को नहीं है कि झारखंड में बांग्लादेश की सीमाओं से लगे इलाकों में कट्टरपंथी और आतंकवादी संगठनों का जाल किस कदर तेजी से फैलता जा रहा है। केन्द्रीय खुफिया एजेंसियां झारखंड में कट्टरपंथियों के नापाक इरादों को लेकर लगातार चिन्तित हैं, लेकिन जो परिस्थितियां सामने आती जा रही हैं, उन्हें नियंत्रित करने की दिशा में कोई सार्थक प्रयास किये जाने की संभावना फिलहाल कहीं से नजर नहीं आ रही है। जबकि, इस तरह की बढ़ती घटनाएं इस प्रदेश के शासन-प्रशासन और आम नागरिकों के लिए निश्चय ही चिन्ताजनक हैं।

आयोग की अवमानना का आरोप... उपाध्यक्ष अरुण हलधर ने कहा- जहां से उजाड़े गए, वहीं बसाए जाएं

पलामू मामले का जायजा लेने पहुंचे राष्ट्रीय अनुसूचित जाति के उपाध्यक्ष अरुण हलधर ने कहा कि पलामू जिले के मुरुमातू गांव में दलित परिवार के साथ घर उजाड़ने की घटना के लिए झारखंड के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग की ओर से समन भेजकर उपस्थित होने का निर्देश दिया जाएगा। पांडू थाना क्षेत्र के मुरुमातू गांव के दौरे से लौटकर पत्रकारों से बातचीत में श्री हलधर ने कहा कि पूरा मामला सुनियोजित है, जिसमें स्थानीय प्रशासन की भूमिका संदिग्ध है। इस मामले में अबतक कोई ठोस कार्रवाई नहीं किया जाना इस ओर इशारा करता है कि इसमें पुलिस प्रशासन और आक्रमणकारियों की मिलीभगत है। उन्होंने बताया कि पीड़ित मुसहर परिवार के महिला-पुरुष सदस्य अत्याचार से रक्षा की गुहार लगाने थाना पहुंचे थे, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। पुलिस यदि पहुंच जाती तो इनके घर तहस-नहस होने से बच जाते। उन्होंने कहा कि उजड़े हुए लोगों को जिला प्रशासन अन्यत्र बसाने की कोशिश कर रहा है, जिसे आयोग ने गंभीरता से लिया है। क्योंकि, यह मामले को और जटिल बनाने की कोशिश है, जिसे हम उचित नहीं मानते। उन्होंने कहा कि बेदखल दलितों को उसी स्थल पर पुनर्वासित किए जाने के निर्देश आयोग ने दिए हैं, जहां वे मुसहर परिवार पहले से रहते आ रहे हैं। उनके आधार कार्ड, राशन कार्ड और जरूरी कागजात वहीं के पते से होने चाहिए, जहां वे पहले से थे। श्री हलधर ने कहा- आयोग ने पूरे मामले को टेकओवर किया है और तीन महीने में अंजाम तक पहुंचाएगा।

भाजपा राज्य में खड़ा करेगी आंदोलन : अमर बाउरी

पलामू की घटना पर भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्य सरकार के पूर्व मंत्री अमर बाउरी ने कहा कि झारखंड के अपराधियों में कानून का डर बचा ही नहीं है। यहां शरिया कानून नहीं चलने दिया जाएगा, न्याय होकर रहेगा। घटनास्थल का जायजा लेने के बाद पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि झारखंड प्रदेश के पलामू में बाबा साहब के वंशज मुसहर समाज के महादलितों के पक्के मकान दबंगों ने तोड़कर वहां से खदेड़ दिया और 45 परिवारों को बेघर कर दिया। फिर, बुलडोजर चलाकर उनके घरों को जमींदोज कर दिया। लेकिन राज्य सरकार की ओर से घटना के इतने दिनों बाद भी उन्हें बसाने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की गई है। घटना के दूसरे दिन 30 अगस्त को एसडीपीओ और एसडीओ उन्हें बसाने पहल की थी, लेकिन फिर उसके आगे कुछ भी नहीं किया जा सका। पुलिस प्रशासन के अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे, लेकिन मुंह लटकाकर लौट गए। अब बेघर महादलित परिवारों को दूसरी जगह बसाने की तैयारी प्रशासन कर रहा है। यह जमीन गैरमजरुआ है, जहां ये लोग अपने बाप-दादा के समय से लोग रहते आए हैं। देश का संविधान हमें ताकत देता है कि भारत का नागरिक अपनी स्वेच्छा से कहीं भी बस सकता है। फिर गांव के बहुसंख्यकों में यह ताकत कहां से आई कि उन्हें उन परिवारों को बेघर कर गांव से बाहर खदेड़ दिया? आखिर उन्हें संरक्षण देने वाले लोग कौन से हैं, उनका पोषण कौन कर रहा है, निश्चित रूप से राज्य की सरकार इसमें दोषी है। सरकार ने वोट बैंक की खातिर उनलोगों को अपराध करने की छूट दे रखी है। श्री बाउरी ने कहा - नैसर्गिक न्याय यह कहता है कि बाबा साहब के संविधान का आदर करते हुए इन महादलितों परिवारों को उसी जगह बसाया जाय, जहां से उन्हें उजाड़ा गया है। इस मुद्दे पर भाजपा राज्य में आंदोलन को खड़ा करेगी। भले ही हमें कोई भी कुर्बानी देनी पड़े, हम उन महादलित परिवारों को उस जमीन पर बसाकर दम लेंगे।

संपादकीय

बांग्लादेशियों की बढ़ती आबादी

झारखंड में बांग्लादेश की सीमा से लगे इलाकों के पांच जिलों में बांग्लादेशियों की बढ़ती आबादी देश के साथ-साथ प्रदेश की सुरक्षा के लिए खतरनाक साबित होने वाला है। इस बात को लेकर झारखंड में विपक्ष की ओर से अब तरह-तरह के सवाल खड़े किये जा रहे हैं। विश्वस्त सूत्रों की मानें तो झारखंड के उक्त सीमावर्ती क्षेत्रों की जनसांख्यिकी (डेमोग्राफी) तेजी से बदलती जा रही है। पिछले तीन दशकों में बांग्लादेश से लाखों की संख्या में घुसपैठिए झारखंड के साहिबगंज, पाकुड़, दुमका, गोड्डा और जामताड़ा जिलों के अलग-अलग इलाकों में आकर बस गये हैं। इन इलाकों में हो रहे जनसांख्यिकीय बदलाव को लेकर सरकारी विभागों ने केन्द्र और राज्य सरकारों को समय-समय पर कई बार रिपोर्ट भेजी है। केन्द्रीय गृह मंत्रालय के आदेश पर 1994 में साहिबगंज जिले में 17 हजार से अधिक बांग्लादेशियों की पहचान हुई थी। इन बांग्लादेशियों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए थे, मगर इन्हें वापस नहीं भेजा जा सका। इसके बाद वर्ष 2018 में रघुवर दास की पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में गृह मंत्रालय ने बांग्लादेशी घुसपैठियों के कारण इलाके की बदली हुई डेमोग्राफी को लेकर पूरे प्रदेश में एनआरसी (नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटिजनशिप) लागू करने का प्रस्ताव केन्द्र सरकार को भेजा था। लेकिन, इस मुद्दे पर केन्द्र सरकार की ओर से कोई फैसला नहीं लिया जा सका। झारखंड विधानसभा के बीते बजट सत्र के दौरान राजमहल के विधायक अनंत ओझा ने कार्य स्थगन सूचना के माध्यम से संथाल परगना के जिलों में बांग्लादेशी घुसपैठ का मामला उठाया था। इसमें उन्होंने कहा था कि साहिबगंज जिले में पिछले कुछ वर्षों से बांग्लादेशी घुसपैठ से जनसंख्या संतुलन बिगड़ गया है। घुसपैठिये फर्जी नाम और कई प्रमाण पत्र बनाकर भारत के नागरिक बन बैठे हैं। सरकारी जमीन का अतिक्रमण कर रहे हैं। यहां के सरकारी संसाधनों का फायदा ले रहे हैं। बांग्लादेशियों के बढ़ते प्रभाव पर गृह विभाग को भी झारखंड से रिपोर्ट भेजी गयी थी। रिपोर्ट में इस बात का जिक्र था कि बांग्लादेशी बिहार और बंगाल के रास्ते झारखंड आ रहे हैं। इसमें अवैध प्रवासियों को चिन्हित करने के लिए टास्क फोर्स गठित करने की सिफारिश की गई थी। आंकड़े भी इस बात की पुष्टि करते हैं कि बांग्लादेश के करीब स्थित झारखंड के जिलों में मुस्लिम आबादी अप्रत्याशित रूप से बढ़ी है। पाकुड़ में 2001 में मुस्लिम आबादी 33.11 प्रतिशत थी, जो 2011 में 35.87 प्रतिशत हो गई। फिर, पिछले 10 वर्षों में इनकी संख्या कितनी बढ़ी होगी, इसकी कल्पना की जा सकती है। खुफिया एजेंसियों ने भी समय-समय पर सरकारों को ऐसी रिपोर्ट भेजी है, जिनमें बांग्लादेशियों के घुसपैठ के तौर-तरीकों के बारे में विस्तृत ब्योरा दर्ज है। राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों में बांग्लादेशी नागरिकों के पकड़े जाने, गलत तरीके से यहां की मतदाता सूची में नाम दर्ज करवा लेने, बांग्लादेशी नागरिक को भारतीय पासपोर्ट जारी कर दिये जाने जैसे छिटपुट मामले अक्सर आते ही रहते हैं। गृह विभाग को प्रेषित ऐसी ही एक रिपोर्ट में बताया गया है कि संथाल परगना के साहिबगंज व पाकुड़ में चिह्नित अवैध प्रवासियों ने वोटर आईडी, आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस तक बनवाए हैं। इन इलाकों में 'जमात उल मुजाहिदीन बांग्लादेश' व 'पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया' और 'अंसार उल बांग्ला' जैसे प्रतिबंधित संगठनों की पकड़ बढ़ रही है। ऐसे कई उदाहरण हैं कि बांग्लादेश से आये लोगों ने स्थानीय महिलाओं से शादी कर ली, जबरन उनके धर्म परिवर्तन करवा दिये और यहीं बस गये। खासकर, दुमका में अंकिता हत्याकांड के बाद ऐसे कई मामले लगातार उजागर हो रहे हैं, जिनसे इन कट्टरपंथियों की साजिश का पता चलता है। इसलिए अब जरूरत इस बात की है कि केन्द्र व राज्य सरकारें इस मुद्दे को गंभीरता से ले। इस पर वोट बैंक की राजनीति नहीं की जाय। अन्यथा यह मामला आने वाले दिनों में देश की सुरक्षा और संप्रभुता के लिए सिरदर्द साबित हो सकता है।

आप अपने विचार अथवा अपनी रचनाएं हमें निम्नलिखित ई–मेल पर भेज सकते हैं–
mithilavarnan@gmail.com, Contact : 9431379234
Join us on /mithilavarnan
Visit us on : www.varnanlive.com
(किसी भी कानूनी विवाद का निबटारा केवल बोकारो कोर्ट में ही होगा।)

शिक्षक होना प्रभु का आशीर्वाद

- मोहन आजाद -

यह सर्वविदित और शत-प्रतिशत सत्य है कि शिक्षक बनना अथवा होना प्रभु का आशीर्वाद होता है। हर व्यक्ति शिक्षक नहीं बन सकता। योग्यता हो सकती है, किसी की कम, किसी की ज्यादा, लेकिन विद्यार्थियों के समक्ष वर्ग में खड़ा होकर ममता से सराबोर हो प्रत्येक बच्चे को अपना समझकर पढ़ाना सबके वश में नहीं होता है। शिक्षक कभी-कभी गुस्से में आ जाते हैं, परंतु जो सही और सच्चे शिक्षक होते हैं, वो अपने क्रोध को शांत कर बच्चों को प्यार से पढ़ाना शुरू करते हैं। सीधा, साधारण, योग्यता से निपुण, कर्मठ, सहनशील, अपनी बातों को किसी के मस्तिष्क में उतार जानेवाला व्यक्तित्व वाकई एक सच्चे शिक्षक की निशानी है। शिक्षक की निशानी ईमानदार, ज्ञान में निपुण, संयम बरतने वाला, मुस्कुराते रहने वाला, भाईचारे की भावना बनाकर रखने वाला, समय पर हर काम करना और अपने देश की इज्जत करते हुए एक जैसा व्यवहार सभी के साथ करना आदि हैं। शिक्षक बच्चों को पूर्ण ज्ञान दें। उन्हें बताएं कि समय ही धन है। वे अपने माता-पिता का सदा आदर करें। हर एक बच्चा खास होता है। सभी को बराबर प्यार करें। हमेशा सभी का आदर करें और आदर करना सिखाएं।

शिक्षक इज्जत का भूखा होता है। एक शिक्षक के साथ प्यार से बातें करके उनसे अच्छी शिक्षा ली जा सकती है। शिक्षक भाग्यविधाता होता है। कहते हैं किसी भी देश का भविष्य वहां के शिक्षकों पर निर्भर करता है। मुझे अपने देश भारत पर गर्व है कि मैं एक शिक्षक बना तथा अभी तक देश की सेवा अक्षरशः कर रहा हूं। भविष्य में भी मेरे शरीर में जब तक प्राण है, मैं गरीब बच्चों के लिए निःशुल्क शिक्षा प्रदान करता रहूंगा। आज मैं दूसरी पीढ़ी को पढ़ा रहा हूं, जिन्हें पढ़ाया था, वो आज बहुत ही अच्छी जगहों में अच्छे पदों पर विराजमान हैं। अपने देश में ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी हमारी शिक्षा का प्रचार-प्रसार करते हुए भारत देश का मान बढ़ा रहे हैं। मैं उनके प्रति आभार व्यक्त करता हूं तथा उनके भविष्य की उज्जवल कामना करता हूं।

मुझे गर्व है हमारे विद्यार्थियों पर। आज जब भी विदेशों से वे आते हैं तो तथा मुझसे मिलते हैं, चरण स्पर्श करते हुए मुस्कुराते हुए हाल-चाल पूछते हैं, तो मैं धन्य हो जाता हूं। मेरे जीवन की अनमोल निधि हमारे विद्यार्थी ही हैं। यह मेरे विद्यार्थियों की सफलता का ही परिणाम है कि मुझे सर्वश्रेष्ठ शिक्षक होने के नाते रोटरी क्लब की ओर से 'राष्ट्रनिर्माता पुरस्कार 2022' से नवाजा गया। यह सच है कि इज्जत अगर पानी है तो सभी को इज्जत देनी होगी। यह सिर्फ एक गुरु या शिक्षक ही बता सकते हैं। सभी का आदर करो। किसी ने कहा है, 'गुरु गोविन्द दोऊ खड़े, काके लागूं पांय। बलिहारी गुरू अपने गोविन्द दियो बताय।' मुझे लगता है कि हम सब मिलकर किसी के दुख-दर्द को समझते हुए आगे बढ़कर उनकी मदद यथासंभव जरूर करें। गरीब, दिव्यांग बच्चों की मदद हम सभी शिक्षक मिलकर करें। हमारा प्रथम कर्तव्य व धर्म बन जाता है कि निर्धन बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान करें। शिक्षा का दान सबसे बड़ा दान है और शिक्षा का दान देने से सदैव बढ़ता ही है।

(लेखक विश्व रिकॉर्डधारी पेंटर और झारखंड रत्न सम्मानित वरिष्ठ शिक्षक हैं।)

जियो और जीने दो

यूं ही उपद्रव नहीं मचाते हैं ये बेजुबान

- प्रशांत द्विवेदी, बोकारो -

बोकारो के चास में पिछले दिनों लगातार लगभग एक पखवाड़े तक एक तथाकथित उत्पाती बंदर का आतंक मचा रहा। उसने 50 से अधिक लोगों को जख्मी कर दिया। चास के तारानगर, वंशीडीह और आसपास के लोगों का अपने घर से निकलना दूभर हो गया था। लेकिन, सवाल उठता है कि क्या बंदर जैसे ये बेजुबान यूं ही आपा खो बैठते हैं? ऐसे ही अकारण उपद्रव मचाते हैं? जवाब साफ है, नहीं! विकसित होने के लिए जंगल, पेड़ों, पहाड़ो को काटकर बंदरों और अन्य वनजीवों का घर भी तो इंसान ने ही खराब किया है। काफी दुःख होता कहने में, पर सच्चाई यह है कि हम इंसान बंदरों के आतंक में नहीं, ये बंदर हमारे आतंक के साए में जी रहे। बंदरों को गुलेल से मारकर उसकी आंख फोड़ देना हरगिज सही नहीं है। उन्हें चोट लग सकती है और वो उग्र हो सकते हैं। इसी सब में चास में जो बंदर लोगों को जख्मी कर रहा था, क्या जनता को उस बंदर की तकलीफ नहीं दिखी।

उसे रेस्क्यू करने वाली एक्सपर्ट टीम में शामिल पीएफ व ऐनिमल वेलफेयर बोर्ड ऑफ इंडिया से जुड़े राणा घोष ने भी कहा कि जरूर बंदर के सामने कुछ अप्रिय घटना हुई होगी। तभी वह इतना आक्रामक हुआ है। बंदर या किसी भी जानवर को बेमतलब का परेशान नहीं करना चाहिए। उस बंदर की एक आंखी पूरी तरह जख्मी है। पूंछ तोड़ दी गई। शरीर के कई हिस्सों पर चोटें दी गईं। हमारे पूर्वज वानर रहे हैं, लेकिन जो उसके साथ जो हरकतें हुईं, वह क्रूरतम ही माना जाएगा।

यह बात भी निकलकर सामने आई कि उन बंदरों की टोली में एक बच्चा बंदर था, जिसे एक कुत्ते ने मार दिया था। वह बंदर उसका भी बदला ले रहा था। बंदर का बच्चा जिस तरह से अपने परिवार के साथ रहता, उतनी आसानी से कोई कुत्ता उस पर लपक नहीं सकता। उल्टे बंदर इतने शक्तिशाली होते हैं कि वे कुत्तों को एक तमाचा में ही गम्भीरता का पाठ पढ़ा दें। कुछ तो बात है कि वह बंदर इतना आक्रामक हो गया। हालांकि, अब वह बंदर सुरक्षित पकड़कर जैविक उद्यान में रखवाया जा चुका है, परंतु एक यही कहनी है कि इन बेजुबानों के साथ कृपा ऐसी हरकत न करें। जियो और जीने दो। शायद अगर उस बंदर को थोड़ा प्रेम मिला होता तो इस कदर वह उपद्रव नहीं मचाता। इस बात का ध्यान रहे कि प्रकृति और हरियाली हमारी धरोहर है। अगर जंगल काटते जायेंगे तो उनके सहारे जीवन-यापन करने वाले आखिर कहां जायेगे? ऑक्सीजन कहां से लायेंगे? फल जिनका जीवन, उनपर अत्याचार मत करें। जानवर हैं, बेजुबान हैं। वो पूरी तरह से हम इंसानों पर निर्भर हैं। यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपनी मानवता न भूलें।

(लेखक पशुप्रेमी व पशु संरक्षक हैं।)

गणपति बप्पा मोरया...

विघ्नहर्ता की भक्ति में डूबी रही इस्पातनगरी

सिटी सेंटर

सेक्टर-2

मजदूर मैदान

संवाददाता

बोकारो : समस्त विघ्नों का नाश करने वाले भगवान गणपति की आराधना में इस्पातनगरी बोकारो, उपशहर चास सहित आसपास का पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। शहर में चारों तरफ गणपति बप्पा मोरया के जयघोष गूंजते रहे। अवसर रहा गणेश चतुर्थी का। कोरोनाकाल के 2 साल के बाद इस बार दुगुने उत्साह के साथ गणेश चतुर्थी का आनंद शहरवासी लेते देखे गए। सेक्टर-4 स्थित मजदूर मैदान में पहली बार गणेश चतुर्थी पर भव्य मेला का आयोजन किया गया। विहंगम पंडाल के बीच भगवान गणपति की सुंदर व आकर्षक प्रतिमा स्थापित की गई। वहीं, आकर्षक पंडाल देखने के लिए भारी तादाद में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही। यहां रंग-बिरंगे झूले भी लगाए गए हैं, जिसका आनंद लेते बच्चे बड़ी संख्या में देखे गए।

इसी प्रकार सेक्टर- 4 में ही सिटी सेंटर में गणेश मंडली की ओर से इस बार भी भव्य गणेशोत्सव का आयोजन किया गया। यहां लगभग 20 फुट ऊंची भगवान गणेश की सुनहरी प्रतिमा आकर्षण का केंद्र बनी रही, जो सहसा श्रद्धालुओं को शीश नमन करने पर विवश करती रही। जबकि, लेजर लाइट की जगमगाहट से इसका पंडाल अपने आप में अतुलनीय बना रहा। इसी प्रकार सेक्टर- 2बी स्थित गणेश मंदिर में भी गणेश पूजा की शुरूआत हुई। यहां चार दिनों तक मेला लगा रहा। इस बार यहां भी पहले से ज्यादा झूले लगे रहे, जिसका सभी ने भरपूर आनंद उठाया।

इसके अलावा अन्य जगहों पर भी सुंदर पंडाल के बीच भगवान गणेश की प्रतिमाएं स्थापित कर उनकी पूजा की गई। कई लोगों ने अपने घरों व दफ्तरों में भी भगवान गणपति का विग्रह स्थापित कर उनकी पूजा की। बता दें कि विगत वर्ष कोरोना महामारी के कारण केवल गणपति पूजन की औपचारिकता पूरी की गई थी। इस बार ईश्वरीय कृपा से यह विघ्न लगभग दूर हो चुका है और पहले की तरह लोगों ने पूरे उल्लास और उमंग भरे वातावरण के बीच भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की। एक हफ्ते तक शहर में भक्तिमय माहौल बना रहा।

सेक्टर-2

उम्मीद डीपीएस बोकारो में समारोह के दौरान बीएसएल के डीआई ने दिया आश्वासन,

स्वस्थ और स्वच्छ शहर होगा बोकारो : अमरेंदु

कार्यालय संवाददाता

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी अमरेंदु प्रकाश ने कहा कि इस्पातनगरी बोकारो को आनेवाले दिनों में स्वस्थ और स्वच्छ शहर बनाया जाएगा। इसके लिए बीएसएल की ओर से हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। पिछले दिनों डीपीएस बोकारो में मेधाविता सम्मान समारोह के दौरान पत्रकारों से बातचीत में श्री प्रकाश ने कहा कि शिक्षा के मामले में बोकारो का गौरव विश्व स्तर पर है। खेल के मामले में भी हम विकासशील हैं, जबकि स्वास्थ्य के मामले में फिलहाल हम अच्छी स्थिति में नहीं हैं। बीएसएल अपने चिकित्सकीय संस्थान बोकारो जेनरल अस्पताल को संवर्द्धित कर बेहतर चिकित्सा व्यवस्था बहाल करने में लगा है। आनेवाले दिनों में सेहत के मामले में भी बोकारो बेहतर होगा।

उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि डीपीएस बोकारो ने इस शहर को शैक्षणिक राजधानी बनाने में अहम भूमिका निभाई है। बोकारो के बच्चे अच्छा करते रहे हैं। पूरी दुनिया में बोकारो का नाम रोशन करते रहे हैं। बोकारो शहर की हमेशा से पहचान रही है। पढाई, खेल, सांस्कृतिक गतिविधियों में बोकारो आगे रहा है। आगे भी रहेगा, यह भरोसा दिलाता हूं। लोग बोकारो को शिक्षा के नाम से भी जानते हैं। यह प्रथा चलती रहेगी। और ज्यादा सुदृढ़ होगी। बोकारो में शिक्षा को लेकर हमलोग सजग हैं। कई अच्छे स्कूल हैं। यहां अच्छी सुविधाएं हैं। शिक्षक दृढ़ संकल्प के साथ मेहनत करते हैं। इस दिशा में जो भी समर्थन अथवा मदद की जरूर होगी, बीएसएल कटिबद्ध है और हमेशा साथ खड़ा रहेगा।

उन्होंने कहा कि बोकारो पूरे भारत में एकमात्र ग्लोबल एक्टिव पार्टनर सिटी है, जिसके तहत खेल का विकास भी हो रहा है। बोकारो के लोग और यहां की गतिविधियां राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी आगे रही है। इसके पूर्व समारोह में सीबीएसई 10वीं व 12वीं बोर्ड की परीक्षाओं (एआईएसएसई एवं एआईएसएससीई) में बेहतरीन परीक्षाफल पाकर विद्यालय का नाम गौरवान्वित करने वाले डीपीएस बोकारो के कुल 137 छात्र-छात्राओं को सम्मानित कर उनकी हौसला अफजाई की गई। निदेशक प्रभारी ने उन्होंने सम्मानित किए गए मेधावी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए न केवल भारत का, बल्कि एक ग्लोबल सिटीजन व ग्लोबल लीडर बनने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम को सम्मानित अतिथि बीएसएल के अधिशासी निदेशक (कार्मिक व प्रशासन) सह डीपीएस बोकारो के प्रो-वॉइस चेयरमैन संजय कुमार और विद्यालय के प्राचार्य एएस गंगवार ने भी संबोधित किया। अतिथियों ने इस क्रम में निःशुल्क प्रशिक्षण केंद्र - 'कोशिश' की प्रशिक्षुओं के बीच प्रमाणपत्र वितरित किया। साथ ही, विद्यालय की गृहपत्रिका 'जेनिथ' के अगस्त 2022 अंक का विमोचन भी किया। समारोह के दौरान छात्र-छात्राओं ने भगवान विष्णु के दशावतार और विजय-स्तोत्र पर आधारित मनभावन नृत्यों की प्रस्तुति से सबको मंत्रमुग्ध कर दिया।

2024 में भी कामयाब होगा मिशन मोदी अगेन : संतोष

संवाददाता

बोकारो : 'मिशन मोदी' की टीम फिर 2024 में नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए तैयार हो गई है। पिछले लोकसभा चुनाव में भी मिशन मोदी ने देश के कोने कोने में अपनी टीम गठित कर मोदी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए बहुत मेहनत की थी और उसका नतीजा सामने है। अब फिर 2024 में मोदी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए 'मिशन मोदी' की टीम ने कमर कस ली है। इस बार डेमोक्रेसी डेवलपमेंट ट्रस्ट के तहत राम गोपाल काका, राष्ट्रीय अध्यक्ष के कंधों पर यह जिम्मेदारी है। झारखंड में इस मिशन को सफलीभूत करने के लिए उन्होंने एक सभा में बोकारो के संतोष सिंह को 'मिशन मोदी अगेन' का झारखंड प्रदेश मंत्री बनाकर उन्हें इस राज्य की जिम्मेदारी दी है। गौरतलब है कि संतोष सिंह पहले भी बोकारो जिला अध्यक्ष के रूप में काफी सक्रियता के साथ अच्छा काम कर चुके हैं। मिशन मोदी को उन्होंने बोकारो में एक खास पहचान दिलाई है। प्रदेश मंत्री बनाए जाने पर संतोष ने अपने उच्चतर पदधारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 में मिशन मोदी एक बार फिर कामयाब होगा और भारत विश्वपटल पर एक नए स्वरूप में, नए तेवर में नजर आएगा। उन्होंने कहा कि अपनी नई जिम्मेदारी को वह पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन करने में कोई कमी नहीं छोड़ेंगे। संतोष भाजपा किसान मोर्चा में प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य भी हैं। प्रदेश मंत्री का नया दायित्व दिए जाने पर संतोष को 'मिशन मोदी' के प्रदेश के संरक्षक अरविंदर सिंह खुराना, प्रदेश महामंत्री घनश्याम पांडे एवं मीरा शर्मा के साथ अन्य कई लोगों ने बधाई दी है।

बोकारो थर्मल में पैदल चलना भी दुष्कर, प्रबंधन पर सड़क-निर्माण में भेदभाव का आरोप

डीवीसी कॉलोनी की सड़कें बदहाल

संवाददाता
बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल स्थित डीवीसी के आवासीय कॉलोनी की सड़कें कई स्थानों पर मरम्मत एवं रखरखाव के अभाव में जर्जर एवं आवागमन के लायक नहीं रह गयी है। भाकपा राज्य परिषद के सदस्य मो शाहजहां ने कहा कि विगत 2019 में डीवीसी सिविल विभाग के द्वारा स्थानीय कॉलोनी की मेन रोड के निर्माण सहित कुछ कॉलोनियों की सड़कों के निर्माण का कार्य 1 करोड़ 18 लाख रुपये की लागत से करवाया गया था। डीवीसी प्रबंधन द्वारा आवासीय कॉलोनी की सड़कों के निर्माण में भी भेदभाव की नीति अपनाने के कारण कॉलोनी में से जनता नगर से सटे डीवीसी कॉलोनी, डीवीसी मध्य विद्यालय से अंबेडकर नगर पीपन पेड़ तक की सड़क, रेलवे स्टेशन चौक से सिक्स यूनिट की सड़क और डीवीसी जमा दो विद्यालय से निशन हाट तक के सड़क निर्माण कार्य को छोड़ दिया गया था।

प्रबंधन का कहना था कि फंड की कमी के कारण उक्त कॉलोनी की सड़कों का निर्माण कार्य नहीं करवाया जा सका था। डीवीसी जमा दो विद्यालय से लेकर निशन हाट, रेलवे स्टेशन चौक से लेकर सिक्स यूनिट हरिबोल मंदिर तक एवं मध्य विद्यालय की सड़क का हाल ऐसा है कि पैदल चलना भी काफी दुष्कर कार्य हो गया है। उक्त सड़कों पर शाम के बाद बाजार एवं हॉस्पिटल आदि जाने वाली महिलाओं एवं बुर्जुग कई बार संतुलन बिगड़ जाने के कारण गिर पड़े हैं। परिषद सदस्य ने कहा कि डीवीसी प्रबंधन के द्वारा नौ माह पूर्व उक्त सभी सड़कों के निर्माण की 45 लाख रुपये की निविदा निकाली गयी थी।

प्रबंधन के द्वारा निविदा करवाने के बाद भी आज तक उसे खोला नहीं जा सका है, जिसके कारण सड़क निर्माण का कार्य नहीं हो पा रहा है। सिविल विभाग के द्वारा लगभग 10 लाख रुपये की लागत से मेन रोड पर बने कई स्थानों पर के गड्ढों के निर्माण कार्य पीसीसी के द्वारा करवाया जा रहा है। कहा कि प्रबंधन जल्द से जल्द करवाये गये निविदा को खोलकर सड़क निर्माण कार्य आरंभ करे।

इधर, जानलेवा बनी तेनुघाट नहर सड़क

बेरमो : बेरमो अनुमंडल क्षेत्र के प्रसिद्ध तेनुघाट नहर की सड़क इतनी जर्जर स्थिति में पहुंच गई है कि यह जानलेवा साबित हो रही है। जगह-जगह बड़े गड्ढे हो गए हैं। गड्ढों में काफी पानी जमा होने के कारण सड़क का अता-पता ही नहीं चल पाता, जिससे छोटी-बड़ी दुर्घटना होती रहती है। छोटी-बड़ी गाड़ियां गड्ढों में बुरी तरह से फंसकर रह जाती हैं तथा लोग दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं। सड़क पूरी तरह से टूटकर बिखर चुकी है। सड़क पर पैदल चलना भी दूभर हो गया है, जबकि मरम्मत के नाम पर विभाग की ओर से समय-समय पर टेंडर निकाले जाते है। ठेकेदारों द्वारा काम किया जाता है, परंतु अच्छी क्वालिटी की नहीं होने के कारण सड़क का भविष्य अधर में लटक जाता है। बताया जाता है कि इस सड़क मार्ग से फुसरो, बोकारो, जैनामोड़, के अलावा चंद्रपुरा, दुग्दा, भंडारीदह से लेकर ऊपरघाट, बोकारो थर्मल, कटारा, चलकरी, खेतको, जारंगडीह, अंगवाली आदि क्षेत्रों से प्रतिदिन सैकड़ों लोगों का आवागमन इस सड़क से होता है।

सेल के निदेशक (तकनीकी) बने अरविन्द कुमार सिंह

संवाददाता
बोकारो : अरविंद कुमार सिंह ने शनिवार को स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के निदेशक (तकनीकी, परियोजना एवं कच्चा माल) पद का कार्यभार ग्रहण किया। इससे पहले श्री सिंह सेल के इस्को स्टील प्लांट के कार्यपालक निदेशक (संकार्य) थे। श्री सिंह बीआईटी, सिंदरी मेटलर्जिकल इंजीनियर हैं और 1987 में कंपनी के भिलाई स्टील प्लांट से प्रबंधन प्रशिक्षु (तकनीकी) के रूप में अपने कैरियर की शुरूआत की। सेल के विभिन्न एकीकृत इस्पात संयंत्रों में काम करते हुए श्री सिंह लगातार पदोन्नति करते हुए, इस्को स्टील प्लांट के कार्यपालक निदेशक बने।

श्री सिंह को कोक ओवन, स्टील मेकिंग, कंटीन्यूअस कॉस्टिंग और रोलिंग जैसे स्टील प्लांट के संचालन के विभिन्न पहलुओं में व्यापक ज्ञान और अनुभव है। श्री सिंह ने संयंत्र संचालन और संयंत्र उत्पादकता में सुधार लाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

संकल्प डॉ. प्रभाकर गांव-गांव में बच्चों के हक और उनकी सुरक्षा का चला रहे अभियान

'बाल अधिकारों को ले माता-पिता की जागरुकता जरूरी'

संवाददाता
बोकारो : पिंडाजोरा थाना अंतर्गत, सुनता पंचायत की रांगाडीह बस्ती में बाल अधिकार संरक्षण जागरूकता अभियान बाल अधिकार कार्यकर्ता सह मनोवैज्ञानिक डॉ प्रभाकर कुमार द्वारा स्थानीय लोगों की सहभागिता से चलाया गया। इस दौरान उन्होंने मास्क का वितरण किया। मौके पर डॉ. प्रभाकर ने कहा कि बच्चों में बाल अधिकारों, कानून एवं बाल मुद्दों की अद्यतन जानकारी हेतु माता पिता अभिभावकों समुदाय को इन मुद्दों के प्रति संवेदनशील व जागरूक होने की जरूरत है। माता पिता अभिभावक ग्रामीण व समुदाय के लोग जितने जागरूक होंगे , बच्चे उतने सुरक्षित परिवेश में होंगे। बच्चों को बाल अधिकारों के प्रति संवेदनशील बनाया जा सकेगा। उन्होंने अभिभावकों से अनुरोध किया कि बाल मुद्दों पर चुप्पी व सामाजिक वर्जनाओं से ऊपर उठकर बच्चों के समग्र व्यक्तित्व विकास हेतु आवाज मुखरित करें।

जिले में बढ़ते बाल उत्पीड़न, बाल यौन व्यवहार के प्रति संवेदनशील होकर ही बच्चों को सुरक्षित किया जा सकता है। डॉ. कुमार ने बच्चे की परिभाषा, बाल अधिकारों, 1098 आपातकालीन नं., पुलिस व बाल हितधारकों की भूमिका, बाल कानून, पोक्सो कानून, किशोर न्याय अधिनियम आदि की जानकारी भी दी। अंत में बच्चों को बतलाये गये विषय से संदर्भित प्रश्न पूछकर पुरस्कृत करते हुए स्टेशनरी सामग्री व चॉकलेट वितरित किये गये। मौके पर अभिषेक आनंद ,ऋषभ, दीपक, योगो पूर्ति, श्यामजीत सोरेन, भीम प्रसाद मांझी, शंकर मांझी, आदि मौजूद रहे।

हफ्ते की हलचल

मैत्री दिवस के साथ पर्यूषण पर्व का समापन

बोकारो : जैन धर्मावलंबियों के प्रमुखतम पर्यूषण पर्व का समापन गुरुवार को मैत्री दिवस के साथ हुआ। सेक्टर-2 स्थित जैन मिलन केंद्र में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर आचार्य महाश्रमण के अनुगामी उपासक ने क्षमा के महत्व पर बोलते हुए कहा कि क्षमा लेने तथा देने से मन का भार हल्का हो जाता है। विश्व की सभी समस्याओं का निदान इस प्रणाली से हो सकता है। हृदय से की गई मैत्री से वैर का अंत होता है। कार्यक्रम में 8 की तपस्या करने वाले वीर लोढा, भाग्यश्री बैद, विनीता बैद तथा 3 की तपस्या करनेवाले सरोज देवी छल्लानी, स्नेहा लोढा, अनिल बैद, सिद्धार्थ लोढा, सिद्धि बेगवानी तथा आरती परख का श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा की तरफ से बहुमान किया गया।

सरस्वती विद्या मंदिर में पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

बोकारो : विद्या भारती के तत्वावधान में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता भैया-बहनों का पुरस्कार वितरण समारोह बोकारो के सरस्वती विद्या मंदिर, सेक्टर-3 सी के विशाल कक्ष में शनिवार को मुख्य अतिथि नीरज कुमार सिंह क्षेत्रीय उपाधीक्षक पुलिस, (बोकारो) विद्यालय के सचिव सिद्धेश नारायण दास एवं प्राचार्य रण सुमन सिंह की उपस्थिति में संपन्न हुआ। विद्यालय के बैडमिंटन की अंडर 14 भैया की एक टीम, जिसमें लकी कुमार, नैतिक कुमार, विकास कुमार, विशेष कुमार, एवं अंडर-19 बहनों की एक टीम, जिसमें दिया भद्र राय, कुमकुम कुमारी, श्वेता सिंह, अदिति, आयुषी सिंह ने क्षेत्रीय बैडमिंटन प्रतियोगिता में गोल्ड जीतकर दिनांक 28 से 1 दिसंबर तक जोधपुर में आयोजित अखिल भारतीय बैडमिंटन प्रतियोगिता के लिए अपना स्थान बनाया और उनका अगला मुकाबला राष्ट्रीय स्तर के प्रतिभागियों के साथ होना है। उसी प्रकार अंडर-19 बहनों की चेस की एक टीम जिसमें नील श्री सिंह, नंदिनी तिवारी, नंदिनी सिंह, काव्यांजलि, मौसम रानी ने क्षेत्रीय चेस प्रतियोगिता में गोल्ड प्राप्त कर दिनांक 2 से 4 दिसंबर तक गुवाहाटी में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय चेस प्रतियोगिता के लिए अपना स्थान सुनिश्चित किया

प्रतिभा की कमी नहीं, बस निखारने की जरूरत : अनिल

बोकारो : जिले के जरीडीह बाजार स्थित झंडा चौक मैदान में श्री श्री गणेश पूजा समिति के द्वारा नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें आसपास के क्षेत्र के लगभग 35 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस अवसर पर सभी ने एक से बढ़कर एक नृत्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय अग्रवाल कल्याण महासभा के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल, कांग्रेस नेता सरदार लक्की सिंह, रोबिन कसेरा ने संयुक्त रूप से इस प्रतियोगिता में शामिल प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। इनमें प्रथम पुरस्कार कोमल जयसवाल, द्वितीय पुरस्कार लकी एंड लकी ग्रुप तथा तृतीय पुरस्कार अमन कुमार को मिला। सभी प्रतिभागियों का हौसला अफजाई कर पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। श्री अग्रवाल ने कहा कि इस क्षेत्र में प्रतिभा की कोई कमी नहीं, बस उसे निखारने की जरूरत है। आज इसी कड़ी में गणेश पूजा समिति ने आसपास के क्षेत्र के बच्चों को निखारने का काम किया गया है, प्रशंसनीय है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य रूप से समिति के बाबू रजवार, शशि रविदास, कुणाल साहनी, राजेश टूडू, विवेक कसेरा, गोलू कसेरा, गणेश गुप्ता, डब्ल्यू प्रजापति, रितेश पंसारी, राकेश वर्मा, विजय रवानी, गुड्डू कुमार, बंटी गुप्ता, शक्ति रविदास, विक्रम साहनी, गौतम सोनी, राजू कुमार, मुकेश साहनी आदि की अहम भूमिका रही।

झालदा में कांग्रेस पार्षद का हत्यारा शूटर ऊपरघाट से गिरफ्तार

बोकारो थर्मल : पश्चिम बंगाल अंतर्गत पुरुलिया जिले के झालदा में कांग्रेस पार्षद तपन कांदू की हत्या के मुख्य शूटर जाबीर अंसारी को शनिवार को बोकारो थर्मल थाना के इंस्पेक्टर शैलेश कुमार चौहान सहित पुलिस पदाधिकारियों की टीम एवं कोलकाता सीबीआई स्पेशल क्राइम ब्रांच की टीम ने संयुक्त रुप से पेंक नारायणपुर थाना के काछो से हत्या की घटना के लगभग पांच माह बाद गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार शूटर ने नगर पालिका के कांग्रेस पार्षद की हत्या में जिस सफेद रंग की अपाची मोटरबाइक का प्रयोग किया था, उसे भी जब्त कर लिया गया है। कोलकाता सीबीआई की टीम कांग्रेस नगर पालिका पार्षद के मुख्य शूटर को गिरफ्तार करने को लेकर पिछले चार दिनों से बोकारो थर्मल में कैंप किये हुए थी। इसके पूर्व भी सीबीआई की टीम दो बार शूटर को गिरफ्तार करने को लेकर बोकारो थर्मल आयी थी, परंतु सीबीआई एवं पुलिस के आने की खबर पाकर वह भूमिगत हो जाया करता था। सीबीआई की टीम हत्या के मुख्य शूटर को गिरफ्तार करने के बाद उसे लेकर शाम में झालदा के लिए प्रस्थान कर गयी। तपन कांदू को 13 मार्च को सफेद अपाची पर आये तीन शूटरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी।

ओबीसी आरक्षण को ले डॉ. लंबोदर ने खोला मोर्चा

विधानसभा परिसर में विभिन्न मांगों को लेकर विधायक ने दिया धरना

संवाददाता

रांची : गोमिया विधायक डॉ. लंबोदर महतो ने झारखंड विधानसभा के विशेष सत्र से पहले कुरमी/ कुड़मी को अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल करने, 1932 खतियान आधारित स्थानीय नीति लागू करने और झारखंड में पिछड़ी जातियों को राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग की अनुशंसा के आलोक में आरक्षण देने की मांग की और इसको लेकर उन्होंने धरना भी दिया। उन्होंने यह धरना झारखंड विधानसभा परिसर में दिया।

इस क्रम में उन्होंने कहा कि हम और हमारी पार्टी इस मांग को लेकर लंबे समय से मुखर हैं और कई मौके पर इस मांग को लेकर राज्य सरकार का ध्यान आकृष्ट भी कराया है। हमें भरोसा है कि राज्य सरकार हमारी तीनों मांगों को अवश्य पूरा करेगी और ऐसा होने पर ही विधानसभा का विशेष सत्र आहूत करने की सार्थकता सिद्ध हो सकेगी।

इधर, चास में बिजली विभाग की मनमानी पर भी दिया धरना

बोकारो : बोकारो जिले में बिजली की समस्या को लेकर आजसू पार्टी के विधायक डॉ. लम्बोदर महतो कार्यकर्ताओं के साथ चास बिजली ऑफिस कार्यालय,चास में शनिवार को धरने पर बैठ गये। इस दौरान आजसू विधायक डॉ. लम्बोदर महतो ने कहा कि बिजली विभाग अपनी मनमानी कर रही है। पूरे जिले में बिजली व्यवस्था लचर स्थिति में है। उन्होंने कहा कि जनता अगर बिना बिजली सोएगी तो अधिकारी भी बिना बिजली के सोयेंगे। जनता की गाढ़ी कमाई से सरकार समेत सभी पदाधिकारी मौज कर रही हैं, जो आजसू पार्टी कतई बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि दुर्गा पूजा से पहले तक गोमिया में बिजली व्यवस्था बेहतर नहीं हुई तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बिजली की आंख मिचौली नहीं चलेगी। जनता को 24 घंटे बिजली सरकार उपलब्ध कराए, नहीं उग्र आंदोलन होगा। मौके पर जिला अध्यक्ष सचिन महतो, दुर्गा चरण महतो, अश्विनी महतो, संतोष महतो, अशोक महतो, अमरदीप महाराज, जिला प्रवक्ता प्रकाश शर्मा, अनिल झा, चंदन सिन्हा, मंटू गोप, भोलानाथ गोप आदि मौजूद रहे।

कायस्थों के प्रति उदासीन रवैया दूर करने को कालबद्ध कार्यक्रम चलायेगा जीकेसी

झारखंड में ग्लोबल कायस्थ कॉन्फ्रेंस का विस्तार जल्द : कमल

संवाददाता

बोकारो : ग्लोबल कायस्थ कॉन्फ्रेंस विभिन्न राजनीतिक दलों के कायस्थों के प्रति उदासीनता तथा उन्हें नजरअंदाज किये जाने के रवैये को तोड़ने के लिए कालबद्ध कार्यक्रम चलाएगा और झारखंड में अपने संगठन को मजबूत तथा धारदार बनाएगा। जीकेसी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सह राष्ट्रीय प्रवक्ता कमल किशोर ने यहां बताया कि इस सिलसिले में अगले वर्ष नई दिल्ली के रामलीला मैदान में कायस्थों की राजनीतिक भागीदारी मुद्दे को लेकर बड़ा कार्यक्रम आयोजित करेगा और वर्ष 2023 के अंत में झारखंड के रांची अथवा हजारीबाग में कायस्थ समागम का वृहद आयोजन होगा।

श्री किशोर ने बताया कि जीकेसी के ग्लोबल अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद के कुशल तथा सक्षम नेतृत्व में शैक्षणिक, सांस्कृतिक, बौद्धिक और तकनीकी रूप से मजबूत कायस्थ जाति के हितों तथा उनकी महत्वपूर्ण भागीदारी को राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम चलाया जा रहा है और क्रमवार सभी प्रांतों में व्याख्यानमाला से लेकर संगठन की मजबूती के लिए आयोजन किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कायस्थ समाज की मशाल वाहक जाति है और समाज के सभी वर्ग के लोगों को साथ लेकर चलती है, लेकिन आज इनके हितों तथा महत्वपूर्ण भागीदारी की उपेक्षा करना समाज और राष्ट्रहित के लिए नुकसानदेह है। इस बीच श्री किशोर ने बोकारो के कायस्थ संगठन के प्रतिनिधियों अशोक कुमार वर्मा, विनोद सिन्हा, भैया प्रीतम, मनोज विशाल, रजत नाथ, अमित अमन, शरद सिन्हा आदि के साथ संगठन को मजबूत करने को लेकर विचार-विमर्श किया और सभी से एकजुट होकर कायस्थ हित में काम करने की अपील की। इस मौके पर बोकारो में लाल बहादुर शास्त्री सांस्कृतिक भवन के निर्माण और दिसंबर माह में कायस्थ समागम के भव्य आयोजन पर भी चर्चा हुई।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता ने कहा कि अगले वर्ष नई दिल्ली के रामलीला मैदान में कायस्थों की राजनीतिक भागीदारी को लेकर होने वाले महाकुंभ में विभिन्न प्रांतों से एक लाख से अधिक लोगों की भागीदारी होगी। इसके लिए तैयारी अभी से ही शुरू कर दी गयी है। उन्होंने कहा कि जीकेसी का देश के उन कुछ राज्यों में भी विस्तार हो रहा है, जहां हम अपना संगठन खड़ा नहीं कर पाए थे। इसके साथ ही ग्लोबल कायस्थ कॉन्फ्रेंस का देश के 20 से अधिक राज्यों में गठन हो चुका है और शीघ्र ही अन्य राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों में भी संगठन की घोषणा कर दी जाएगी।

श्री किशोर ने कहा कि कायस्थों के राजनीतिक हित को नजरअंदाज किए जाने और विभिन्न राजनीतिक दलों के उदासीन रवैया को लेकर देश की इस सबसे बुद्धिजीवी जाति, खासकर युवाओं में उबाल है। जीकेसी इन्हीं मुद्दों को लेकर सामने आ रहा है। इससे देश के विभिन्न हिस्सों से हमें व्यापक समर्थन मिला है और बड़ी संख्या में लोग जीकेसी को समर्थन एवं सहयोग कर रहे हैं।

श्री किशोर ने कहा कि जीकेसी पूरी दुनिया में कायस्थों का सबसे बड़ा संगठन बनकर उभरा है और देश के लगभग सभी राज्यों समेत 20 से अधिक देशों में इसका गठन हो चुका है। जीकेसी की ओर से शिक्षा, रोजगार, व्यापार, कला-संस्कृति , खेल, कृषि, पर्यावरण आदि के क्षेत्र में कायस्थ युवाओं तथा महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए निरन्तर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। आज यही कारण है कि जीकेसी अपने गठन के केवल एक साल के भीतर विश्व कायस्थ महासम्मेलन आयोजित करने में और सभी राज्यों से बड़ी संख्या में कायस्थों की भागीदारी सुनिश्चित करने में सफल हुआ है। उन्होंने संगठन में महिलाओं की भूमिका को बेहद महत्वपूर्ण बताया और कहा कि महिलाएं जब आगे आ जाएंगी तो कायस्थों का हर तरह से सशक्त होना सुनिश्चित हो सकेगा। इस दिशा में महिला सेल के कार्यों की उन्होंने सराहना की।

'समाज में भाईचारा बनाए रखने में साहित्यकारों की अहम भूमिका'

मिथिला डायरी

पुपरी : स्थानीय तुलसी चित्र मंदिर में पुपरी अनुमंडल प्रशासन की ओर से विराट कवि सम्मेलन एवं मुशायरा का आयोजन हिन्दी-उर्दू एकता मंच एवं प्रगतिशील लेखक संघ के तत्वावधान में किया गया। समारोह का उद्घाटन नवीन कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी एवं विनोद कुमार, आरक्षी उपाधीक्षक, पुपरी ने संयुक्त रूप से किया। कवि सम्मेलन की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार रामबाबू नीरव ने की, वहीं मंच संचालन सैदपुर के युवा कवि गौतम कुमार वात्स्यायन ने किया। अपने उद्गार में एसडीओ नवीन कुमार ने कहा कि पुपरी की इस धरती को संवारने तथा यहां के साम्प्रदायिक सद्भाव एवं समाजिक भाईचारा को बनाए रखने में यहां के साहित्यकारों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वहीं, डीएसपी विनोद कुमार ने साहित्यकारों की साहित्य सेवा की सराहना की। कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना एवं स्वागत गान से हुआ, जिसे प्रस्तुत किया स्थानीय नवोदित कलाकार दीक्षा मिश्रा, अवनि मिश्रा, आकृति सलोनी एवं यशस्वी नकुल ने। कवि सम्मेलन का आगाज उत्तर प्रदेश से आए युवा कवि गीत्यम उपाध्याय की व्यंग रचनाओं से हुई। दरभंगा से आए युवा कवि डा. मनोज कुमार एवं उनकी धर्मपत्नी नैना साहु की युगल जोड़ी ने संगीत से सजे हुए अपनी गजलें प्रस्तुत कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। ऑल इंडिया मुशायरे में शिरकत करने वाले अजीम शायर जमील अख्तर शफीक ने अपनी उम्दा गजलें सुनाकर श्रोताओं का दिल जीत लिया। नवादा से आयी कवयित्री अल्पना आनंद के गीत 'सुनो चलोगे जीवन पथ पर थाम के मेरा हाथ' पर महफिल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठी। सीतामढ़ी के वरिष्ठ कवि ऋषिकेश ने अपनी गजल के द्वारा वर्तमान हालात से रूबरू कराया, वहीं वरिष्ठ कवि उदय सिंह करुणा के प्रेमरस के गीत ने युवा श्रोताओं को सम्मोहित कर दिया। संजय चौधरी ने अपनी कविता के माध्यम से सीतामढ़ी की पुण्य भूमि को परिभाषित किया तो वहीं मुक्तकों के राजकुमार स्वतंत्र शांडिल्य ने अपने मुक्तकों से श्रोताओं को झुमा दिया। पुपरी के एकमात्र हास्य कवि प्रकाश मोहन मिश्रा की अदा ही निराली थी। नये कवि ईशान गुप्ता भी नये अंदाज में दिखे। गौतम कुमार वात्स्यायन की भक्ति रस से सराबोर कविताओं ने भी अपनी छाप छोड़ी, वहीं राहुल चौधरी ने स्त्रियों की दुर्दशा को रेखांकित किया। रामबाबू नीरव ने अपने गीतों के माध्यम से प्यार, दुलार और एकता का संदेश दिया तो मशहूद आजम गौहर ने कौमी एकता को शिद्दत से महसूस कराया। कार्यक्रम सफल बनाने में स्थानीय समाजसेवियों अतुल कुमार, मानस जालान, महेश गुप्ता, शंकर शर्मा, सियावर प्रसाद आदि की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

09 सितंबर 2022 : अनंत चतुर्दशी पर विशेष

श्रेष्ठ पालनकर्ता और वृद्धि प्रदायक भगवान श्री विष्णु

- गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली -

शान्ताकारम् भुजगशयनम् पद्मनाभम् सुरेशम्
विश्वाधारम् गगन सदृशम् मेघवर्णम् शुभांगम्।
लक्ष्मीकान्तम् कमल नयनम्
योगीभिर्ध्यानिगम्यम्
वन्दे विष्णु भवभयहरम्
सर्वलोकैकनाथम्।।

समस्त विश्व अर्थात् विश्व का प्रत्येक पदार्थ (यानी प्रत्येक पदार्थ का प्रत्येक अंश और प्रत्येक गुण) सर्वदा ब्रह्मा, विष्णु और शिव, इन तीन तत्वों के ही रूप हैं। प्रत्येक पदार्थ सदा परिवर्तनशील (अनित्य) और साथ ही नित्य भी है।

पुरानी अवस्था का नाश (शिवत्व), नवीन अवस्था की उत्पत्ति (ब्रह्मा तत्व) और असली शाश्वत रूप का वर्तमान रहना (विष्णु तत्व) ये तीनों प्रत्येक पदार्थ में निरन्तर रहते हैं। स्थूल उदाहरण दें तो स्वर्ण का कुण्डल तोड़कर यदि कड़ा बनाया गया तो कुण्डल रूप के नष्ट हो जाने पर कड़ा रूप की उत्पत्ति हुई, परन्तु स्वर्ण तत्व तो दोनों अवस्थाओं में स्थिर रहता है। कोई मनुष्य मरकर देव हुआ तो उसके मनुष्य रूप का नाश होकर देवत्व की उत्पत्ति हुई, किन्तु जीवत्व तो दोनों अवस्थाओं में विद्यमान रहता है।

यह निरन्तर परिवर्तन और स्थिरता ही प्रत्येक प्रत्येक पदार्थ का स्वरूप और आधार है। ये तत्व क्रिया दृष्टि से अलग-अलग गिनाये जाने पर भी अभेद रूप ही हैं- संहार के साथ ही, बल्कि संहार के रूप में ही, सृजन (निर्माण) होता है और संहार और सृजन दोनों शाश्वत रूप के ही गुण हैं- पंख हैं।

भेद दृष्टि से उपर्युक्त तीनों तत्वों में विष्णु तत्व का महत्व स्पष्ट है। इसका कभी नाश नहीं होता। यही असली स्वरूप है, शाश्वत सत्य है, यह अन्य दोनों में विद्यमान रहता है। जो इस तत्व का प्रेमी होता है, वह सब अवस्थाओं में समस्थ, समताधारी, शान्त और सुखी रहता है।

विष्णु तत्व शान्ति व सुख प्रदायक

विष्णु तत्व शान्ति और सुख प्रदायक है। इसीलिए विष्णु स्वरूप को शान्ताकारम् भुजगशयनम्...कहा गया है। यह तभी संभव है, जब हमारा जीवन दोष-रहित हो। दोष-रहित व्यक्ति ही भगवान विष्णु के समान शान्त मुद्रा में संसार रूपी विष के स्वरूप नाग पर निश्चिन्त होकर निद्रा लेते हैं। इसीलिए कहा जाता है कि जो निश्चिन्त हैं, दोष-रहित हैं, बाधाओं से परे हैं, वो शान्ति पूर्वक शयन कर सकते हैं और शान्ति पूर्वक वही शयन कर सकता है, जिसका जीवन दोष-रहित हो।

नित्य सांसारिक व्यवहार करने से हममें तीन प्रकार के दोष व्याप्त होते हैं, **1. वाणी दोष**- हमें बोल-चाल में, बातचीत में और व्यवहार में असत्य उच्चारण करना पड़ता है, इस झूठ की वजह से वाणी-दोष व्याप्त होता है, **2. मन दोष**- हम चाहे अनचाहे किसी के प्रति घृणा, क्रोध या दुर्भावना व्याप्त करते हैं, उससे मन दोष व्याप्त होता है, 3. मुख दोष- आज के युग में तो घर के बाहर कई स्थानों पर भोजन करना होता है, जहां शुद्धता का भान नहीं होता, ऐसी स्थिति में मुख दोष व्याप्त हो जाता है।

विष्णु साधना से दोष की समाप्ति

उपर्युक्त तीनों दोषों को समाप्त करने के लिए शास्त्रों में श्रीविष्णु की साधना-आराधना का विधान आया है और यह भी कहा गया है कि वर्ष में एकबार इस दिन अनन्त चतुर्दशी को विष्णु साधना सम्पन्न करने पर अब तक किये गये सभी दोष समाप्त हो जाते हैं। ...और जब दोष समाप्त हो जाते हैं, तो मन शुद्ध और चैतन्य हो जाता है, फलस्वरूप चेहरे पर चेजस्विता आ जाती है, उसकी वाणी में दृढ़ता एवं स्पष्टता आ जाती है और वह जीवन में सफलता की ओर अग्रसर होने लगता है।

विष्णु तत्व के स्थापन से साधक का जीवन दोष-रहित हो जाता है। जहां दोष-रहित जीवन है, वहां विष्णु हैं और जहां विष्णु हैं, वहां भगवती लक्ष्मी हैं। भगवान विष्णु साधक के शरीर ही नहीं, मन के ऊपर आये दोषों का भी निराकरण कर उसमें तेज, कर्मशीलता का उद्भव कर उसकी शक्ति को जागृत करते हैं। साधक के जीवन में महालक्ष्मी शक्ति का विकास कर, साधक को अनन्त की ओर अर्थात विशालता की ओर ले जाती है, सूक्ष्म से विराट की ओर से ले जाती है।

विष्णु की साधना का सर्वश्रेष्ठ दिवस

भगवान विष्णु की साधना का सर्वश्रेष्ठ दिवस अनन्त चतुर्दशी है। वेदों को भारतीय संस्कृति का आधारभूत ग्रंथ माना गया है।

इसमें ऋग्वेद में भगवान विष्णु के सम्बन्ध में पांच सूक्त आये हैं। भगवान विष्णु की देव रूप में व्याख्या करते हुए निम्न बाते कही गई हैं-

1. देव रूप विष्णु का शरीर अत्यन्त विशाल है। अर्थात् सारा संसार मात्र जिसका शरीर है, वही विष्णु हैं।
2. भक्त विष्णु को प्रिय हैं। यही कारण है कि भक्तों के बुलाने पर वे अपनी कृपा बरसाते हैं। उसकी कृपा से ही मानव को धन, सम्पत्ति की प्राप्ति होती है।
3. भगवान विष्णु भूमि के देवता हैं। वे मनुष्य को भूमि वितरण करते हैं। उनकी कृपा से ही मानव को धरा-लक्ष्मी की प्राप्ति होती है।
4. विष्णु गर्भरक्षक देव हैं और इसी कारण सृष्टि में वृद्धि होती है।
5. ऋग्वेद में भगवान विष्णु को उद्धारक, संरक्षक एवं दानी देव के रूप में चित्रित किया गया है।
6. भगवान विष्णु का सूर्य के साथ घनिष्ठ सम्बन्ध है। सूर्य विष्णु के रूप से हैं और सूर्य अपने तेज रूप में सर्व लोकों को प्रकाशित करते हैं।
7. भगवान विष्णु के तीन चरण हैं, इसमें दो चरण दृश्य हैं और तीसरा चरण अदृश्य है। भगवान विष्णु के तीन चरण सूर्य के उदय, मध्याह्न और सूर्य के अस्त के बोधक हैं। एक मत के अनुसार विष्णु के तीन चरण (पद) पृथ्वी, वायु और आकाश स्थित हैं।
8. इसी के साथ वेदों में भगवान विष्णु के सम्बन्ध में ही कहा गया है कि- भगवान विष्णु अपने सहस्त्र हाथों, सहस्त्र सिर के रूप में विराजमान हैं और अपने भक्तों पर कल्याण करने वाले हैं। उनको नमन है। सृष्टि का प्रारम्भ भगवान विष्णु से माना गया है और संसार विष्णु की ही माया, लीला का स्वरूप है। भगवान श्री विष्णु का सगुण स्वरूप भी है और निर्गुण स्वरूप भी। माया रूपी स्वरूप में वे लक्ष्मी के साथ अपने भक्तों को अभीष्ट फल प्रदान करते हैं।

अनन्त भगवान ने सृष्टि के आरम्भ में चौदह लोकों- 'तल, अतल, वितल, सुतल, तलातल, कसातल, पाताल, भू, भुवः, स्वः, जन, तप, सत्य, मह' की रचना की थी। इन लोकों को पालन करने के लिए वह स्वयं भी 14 रूपों में प्रकट ह गए, जिससे अनन्त प्रतीत होने लगे।

इन्हीं चौदह लोकों के प्रति स्वरूप 14 गांठ वाला एक धागा, जिसे अनन्त सूत्र कहते हैं, अनन्त चतुर्दशी को धारण किया जाता है। इसको धारण करने से दीर्घ आयु, निरोगी याका की प्राप्ति होती है। इसके साथ ही जीवन के समस्त दुखों और पापों का नाश होता है।

अनन्त पूजा के दिन नया अनन्त धारण करते समय पुराने अनन्त को विसर्जित कर देते हैं। जो व्यक्ति पूरे वर्ष धारण नहीं कर सकते, वे 14 दिनों बाद अनन्त को प्रणाम करके किसी नदी में विसर्जित कर देते हैं।

(साभार : निखिल मंत्र विज्ञान)

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ) - स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। मित्र सहयोग से कार्य सम्पन्न होंगे। कार्य में सफलता में देर होगी। धनागम के योग बनेंगे। व्यर्थ के झगड़े-विवाद से दूर रहें। वाणिज्य व्यवसाय में लाभ होगा। शत्रु परास्त होंगे।

वृष (ई उ ए ओ वा वी वू वे वो) - मानसिक चिंता बढ़ेगी। रुके हुए धन के प्राप्ति के योग बनेंगे। मित्रों का अनिष्ट हो सकता है। कोई चिरस्थायी लाभ भी प्राप्त हो सकती है। चोरी की सम्भावना हो सकती है। यात्रा असफलतादायक हो सकती है।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा) - स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें। धनागम के योग बनेंगे। राज्याधिकारियों से मुलाकात होगी। चल सम्पति को लेकर वाद-विवाद हो सकता है। शत्रुओं पर विजय। कर्तव्य निर्वहन में सावधानी बरतें।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) - सप्ताह के शुरू में स्वास्थ्य थोड़ा बिगड़ेगा, लेकिन सप्ताहांत तक सुधार होंगे। स्त्री से रिश्ते बिगड़ेंगे, विवाद से दूर रहें। शत्रुओं पर विजय। बुद्धि में भ्रम पैदा होगा। पति या पत्नी के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) - अपयश के योग होंगे। वाणी पर संयम रखें। स्त्री से विवाद होंगे। प्रेमादि में व्यर्थ का समय नही गवाएं। शत्रुओं पर विजय होगी। अच्छा स्वास्थ्य एवं मानसिक सुख प्राप्त करेंगे।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) - इस सप्ताह मन प्रसन्न रहेगा। पदोन्नति या व्यवसाय में वृद्धि होगी। विद्यार्थी वर्ग को सफलता प्राप्त होगी। चल सम्पति सम्बन्धी निर्णय सोच-विचार कर लें। शत्रुओं पर आसानी से विजय प्राप्त होगी। मनोकामनाएं पूर्ण हो सकती है।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) - स्वास्थ्य में सुधार होंगे। धन की प्राप्ति के योग बनेंगे। सुख-आनन्द की प्राप्ति हो सकते हैं। मनोरंजन की योजनाएं बनेंगी। नेत्र कष्ट हो सकते हैं। वाहनादि के योग बनेंगे।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू) - स्वास्थ्य में थोड़ी सुस्ती महसूस करेंगे। स्वजनों से मनमुटाव होंगे। संगीत से लगाव बढ़ेंगे। वाणी पर संयम रखें। मानसिक चिंताएं बढ़ सकती है। धर्म कार्यों में रूचि बढ़ेगी।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) - मन चंचलता से भरा होगा। निर्णय लेने में असावधानी नही बरतें। साहस में बढ़ोतरी होगी। वाणी पर संयम रखें। धन की प्राप्ति हो सकती है। विद्या की बढ़ोतरी होगी। स्त्री सुख मिलेगा। गायन वादन में रुचि बढ़ेगी।

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी) - ज्वर अथवा रक्तविकार सम्बन्धी समस्या ही सकती है। शत्रुओं का नाश होगा। मित्रों से सहायता मिलेगी। लोहे,कोयला आदि से व्यवसायिक लाभ मिलेगा। पदोन्नति होगी। व्यय अधिक हो सकते हैं।

कुम्भ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) - स्वास्थ्य पर ध्यान दें। नेत्र सम्बन्धी समस्या हो सकती है। पदोन्नति के योग बनेंगे। पिता से धन लाभ। भोजन से अरुचि हो सकती हैं। विद्यार्थी मेहनत करें तो ही सफलता प्राप्त होगी।

मीन (दी दू थ झ दे दो चा ची) - स्वास्थ्य पर मौसम का बुरा प्रभाव पड़ेगा। श्वास ,खासी हो सकते हैं। जल सम्बन्धी व्यवसाय से लाभ प्राप्त होंगे। मित्रों और पारिवारिक सदस्यों से मुलाकात होगी।

अधिक जानकारी के लिए
संपर्क करें- 7808820251

ब्रिटेन को पीछे छोड़ दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना भारत

स्मार्टफोन डेटा कंज्यूमर मामले में भारत में नंबर -1

ब्यूरो संवाददाता

नई दिल्ली : इस साल भारत ने 670 अरब डॉलर यानी 50 लाख करोड़ रुपये मूल्य की वस्तुओं का निर्यात किया। भारत ने हर चुनौती से पार पाते हुए 418 अरब डॉलर यानी 31 लाख करोड़ रुपये के वस्तु निर्यात का नया रिकॉर्ड बनाया। पिछले आठ वर्षों में 1 अरब डॉलर के बाजार मूल्यांकन वाली 100 से भी अधिक कंपनियां सृजित हुई हैं और हर महीने नई कंपनियां इनमें जुड़ती जा रही हैं। पिछले आठ वर्षों में सृजित हुए इन यूनिकॉर्न का बाजार मूल्यांकन आज लगभग 150 अरब डॉलर यानी तकरीबन 12 लाख करोड़ रुपये है। वर्ष 2014 के बाद पहले 10,000 स्टार्ट-अप्स तक पहुंचने में हमें लगभग 800 दिन लगे थे। 10,000 नए स्टार्ट-अप्स को हाल ही में इस सूची में शामिल होने में 200 दिनों से भी कम का समय लगा। पिछले आठ वर्षों में देश में स्टार्ट-अप्स की कुल संख्या कुछ सौ से बढ़कर आज 70,000 हो गई है। ये स्टार्ट-अप्स भारत के कई राज्यों के साथ-साथ छोटे शहरों में भी फैले हुए हैं। इसके अलावा लगभग 50 से भी अधिक विभिन्न प्रकार के स्टार्ट-अप्स विभिन्न उद्योगों से जुड़े हुए हैं। ये स्टार्ट-अप्स देश के हर राज्य और 650 से भी अधिक जिलों में फैले हुए हैं। लगभग 50 प्रतिशत स्टार्ट-अप्स टियर 2 और टियर 3 शहरों में हैं।

डिजिटल क्रांति उस अद्भुत गति का उत्कृष्ट उदाहरण है जिससे भारत ने विगत वर्षों में काम किया है। वर्ष 2014 में हमारे देश में केवल 6.5 करोड़ ब्रॉडबैंड ग्राहक थे। आज उनकी संख्या 78 करोड़ से भी अधिक हो गई है। वर्ष 2014 में एक जीबी डेटा की कीमत लगभग 200 रुपये हुआ करती थी। आज इसकी कीमत घटकर सिर्फ 11-12 रुपये रह गई है। पीआईबी सूत्रों के अनुसार स्मार्टफोन डेटा कंज्यूमर्स मामले में भारत आज दुनिया का नंबर -1 और इंटरनेट यूज के मामले में दूसरा सबसे बड़ा देश बन चुका है। आज भारत में रिकॉर्ड संख्या में नए मोबाइल टॉवर लगाए जा रहे हैं और 5जी भारत के दरवाजे पर दस्तक दे रहा है। आज भारत में रिकॉर्ड संख्या में गांवों को ऑप्टिकल फाइबर से जोड़ा जा रहा है। आज अपने देश में दुनिया के सबसे बेहतरीन डिजिटल ट्रांजैक्शन प्लेटफॉर्म यूपीआई यानी यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस के रूप में सबके सामने है। कुल वैश्विक डिजिटल लेन-देन का 40 प्रतिशत हिस्सा भारत में किया जा रहा है। आज रेहड़ी-पटरी वाले और दूर-दराज के गांवों से लेकर शहरों के विभिन्न मोहल्ले में रहने वाले देशवासी 10-20 रुपये से लेकर लाखों रुपये तक की लेन-देन आसानी से कर रहे हैं। वर्ष 2014 में देश में बिछाए गए ऑप्टिकल फाइबर की कुल लंबाई 11 लाख किमी थी। अब देश में बिछाए गए ऑप्टिकल फाइबर की कुल लंबाई 28 लाख किमी को पार कर गई है। सरकार ने भारत में विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए लगभग 2 लाख करोड़ रुपये की उत्पादन-संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना शुरू की है।

पिछले सात-आठ वर्षों में भारत सरकार ने डीबीटी (प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण) के माध्यम से सिर्फ एक क्लिक से लाभार्थियों के खातों में पैसे भेजे हैं। हमने डीबीटी के माध्यम से जो राशि भेजी है वह 22 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक है।

सागरमाला, भारत माला, पर्वत माला, बंदरगाह आधारित विकास। आज भारत सामाजिक एवं भौतिक बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में अभूतपूर्व निवेश का साक्षी बन रहा है। नई शिक्षा नीति को लागू करने के लिए जहां आम सहमति का माहौल बनाया गया है, वहीं दूसरी ओर नई स्वास्थ्य नीति को लागू करने का काम चल रहा है। आज भारत में छोटे शहरों को हवाई मार्ग से जोड़ने के उद्देश्य से रिकॉर्ड संख्या में नए हवाई अड्डे बनाए जा रहे हैं।

पीआईबी सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत देश के 11 करोड़ से ज्यादा किसानों के बैंक खातों में करीब दो लाख करोड़ रुपये अंतरित किए गए हैं। अब तक देश के 3 करोड़ गरीब लोगों को उनके पक्के और नए घर मिल चुके हैं, जहां उन्होंने रहना शुरू कर दिया है। आज देश के 50 करोड़ से अधिक गरीब लोगों के पास 5 लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज की सुविधा है। आज देश के 25 करोड़ से अधिक गरीब लोगों के पास 2 लाख रुपये प्रत्येक का दुर्घटना बीमा और सावधि बीमा है। आज देश के करीब 45 करोड़ गरीबों के पास जन धन बैंक खाते हैं। पीएम स्वनिधि के तहत, देश के 35 लाख रेहड़ी-पटरी वालों को आर्थिक मदद मिली है। मुद्रा योजना के तहत देशभर के छोटे उद्यमियों को 20 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का ऋण दिया गया है। ऋण प्राप्त करने वालों में करीब 7 करोड़ ऐसे उद्यमी हैं, जिन्होंने पहली बार कारोबार शुरू किया है और नए उद्यमी बने हैं। यानी, मुद्रा योजना की मदद से पहली बार 7 करोड़ से ज्यादा लोग स्वरोजगार से जुड़े हैं। 70 प्रतिशत ऋण, महिला उद्यमियों को दिए गए हैं।

'आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना' से लाखों छोटे उद्योगों को मदद मिली है। एक अध्ययन के अनुसार, इस योजना ने करीब 1.5 करोड़ लोगों की नौकरियां बचाई हैं। इसी प्रकार, एमएसएमई सेक्टर को मजबूत करने के लिए सरकार ने पिछले आठ साल के दौरान बजट में 650 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी की है। इस क्षेत्र से 11 करोड़ से अधिक लोग प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जुड़े हुए हैं। इसलिए एमएसएमई आज अधिकतम रोजगार प्रदान करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। इसलिए, जब 100 वर्षों का सबसे बड़ा संकट हमारे सामने आया, तो हमने अपने छोटे उद्यमों को बचाने और उन्हें एक नई ताकत देने का फैसला किया। केंद्र सरकार ने आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना के तहत एमएसएमई के लिए 3.5 लाख करोड़ रुपये सुनिश्चित किए हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इससे करीब 1.5 करोड़ नौकरियां बचाई गईं।

एक राष्ट्र, एक टैक्स, एक कार्ड

हमने नीतिगत स्थिरता, समन्वय और कारोबार में आसानी पर जोर दिया है। गुजरे वक्त में हमने हजारों अनुपालनों और पुराने कानूनों को समाप्त किया है। हमने अपने सुधारों के साथ भारत को एक राष्ट्र के रूप में मजबूत करने का काम किया है। चाहे एक राष्ट्र-एक टैक्स जीएसटी हो, एक राष्ट्र-एक ग्रिड, एक राष्ट्र-एक मोबिलिटी कार्ड या फिर एक राष्ट्र-एक राशन कार्ड हो, ये सभी प्रयास हमारी ठोस और स्पष्ट नीतियों की ही झलक हैं। नवाचार और उद्यमिता संबंधी कौशल को बढ़ावा देने वाले नए इंटरफेस 'सरकार ही सब कुछ जानती है और सरकार ही सब कुछ करेगी' इस कार्य संस्कृति को पीछे छोड़ते हुए कि अब हमारा देश 'सबका प्रयास' की भावना के साथ आगे बढ़ रहा है। इसलिए आज भारत में कई नए इंटरफेस तैयार किए जा रहे हैं और बीआईआरएसी जैसे प्लेटफॉर्म्स को सशक्त बनाया जा रहा है। चाहे स्टार्ट-अप्स के लिए स्टार्टअप इंडिया अभियान हो, अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए इन-स्पेस हो, रक्षा स्टार्ट-अप्स के लिए आईडेक्स हो, सेमीकंडक्टर के लिए भारतीय सेमीकंडक्टर मिशन हो, युवाओं में नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन हो, या फिर बायोटेक स्टार्ट-अप एक्सपो हो, सरकार इनोवेटिव संस्थानों के जरिए इस उद्योग जगत की उत्कृष्ट प्रतिभा को एक मंच पर ला रही है और सामूहिक प्रयासों की भावना को बढ़ावा दे रही है।

इन प्रयासों से देश को बड़ा फायदा हो रहा है। देश को अनुसंधान और शिक्षा से नई सफलताएं मिल रही हैं, असल दुनिया के नजरिए में ये उद्योग जगत मदद कर रहा है, और सरकार आवश्यक नीतिगत वातावरण और बुनियादी ढांचा प्रदान कर रही है। युवाओं के सामने आ रही हर बाधा को दूर कर लगातार सुधार किया जा रहा है। रक्षा क्षेत्र को निजी उद्योगों के लिए खोलना, अंतरिक्ष उद्योग में निजी भागीदारी, आधुनिक ड्रोन नीति तैयार करना, भू-स्थानिक डेटा दिशानिर्देश तैयार करना, दूरसंचार-आईटी क्षेत्र में 'कहीं से भी काम' की सुविधा देना, इन सबके साथ सरकार हर दिशा में काम कर रही है। हमारी कोशिश है कि भारत के निजी क्षेत्र के लिए ज्यादा से ज्यादा 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' का माहौल तैयार किया जाए, ताकि देश का निजी क्षेत्र भी 'ईज ऑफ लिविंग' में उसी प्रकार से देशवासियों की मदद कर सके।

पुस्तक समीक्षा : मिच्छामी दुक्कड़म

विजय कुमार झा

मिच्छामी दुक्कड़म प्राकृत भाषा का वह शब्द है, जिसका उपयोग अहिंसा के पुजारी जैन सम्प्रदाय के धर्मावलंबी मुनि अथवा अनुयायी भाद्रपद मास में पर्युषण पर्व के दिनों में किया करते हैं। मिच्छामी का अर्थ क्षमा और दुक्कड़म का अर्थ दुष्ट कर्म होता है। अर्थात जाने-अनजाने में किए गए बुरे कर्मों के प्रति क्षमा याचना करना। क्योंकि, हम कभी न कभी जाने-अनजाने में मन, वचन या कर्म से किसी न किसी व्यक्ति को दुःखी करते रहते हैं। इसलिए इस शब्द के माध्यम से अपनी आत्मा की शुद्धता के लिए क्षमा याचना की जाती है।

भाई **कुमार मनीष अरविन्द जी** ने जैन धर्मावलंबियों से ही यह शब्द उधार लेते हुए अपने जीवन के विभिन्न समय-खण्डों पर आधारित मैथिली पुस्तक/उपन्यास 'मिच्छामी दुक्कड़म' की रचना की है और इसके माध्यम से उन्होंने समाज को एकसाथ कई तरह से प्रेरित करने का प्रयास किया है।

इस पुस्तक में उन्होंने जहां मानव जीवन में कठिन परिस्थितियों में भी संघर्ष करने की प्रेरणा दी है, वहीं यह संदेश भी दिया है कि यदि मनुष्य में लड़ने का साहस, ईश्वरीय सत्ता के प्रति आस्था और उसमें प्रबल इच्छाशक्ति हो तो वह असमय आने वाली मौत को भी पीछे धकेल सकता है।

आज वन, वन्य-जन्तु एवं पर्यावरण सुरक्षा व संरक्षण को लेकर पूरी दुनिया

चिन्तित है। क्योंकि, वनों की अंधाधुंध कटाई, प्राकृतिक सम्पदाओं की लूट और पर्यावरण संरक्षण के प्रति मानवीय लापरवाही का नतीजा न सिर्फ भारत, बल्कि पूरी दुनिया भुगत रही है। लेकिन, राजनीतिक, व्यावसायिक एवं आर्थिक स्वार्थपूर्ति के कारण शासन में बैठे लोग इन समस्याओं को पूरी तरह नजरअंदाज कर रहे हैं। कैसे इन तत्वों ने पूरे तंत्र (सिस्टम) को अपनी मुट्ठी में कैद कर रखा है। उनका यह रवैया न सिर्फ वर्तमान के लिए, बल्कि भविष्य के लिए भी बेहद खतरनाक साबित हो रहा है।

भारतीय वन सेवा का एक अधिकारी रहते हुए कुमार मनीष अरविन्द जी ने अपने बोकारो पदस्थापन के कालखण्ड में इस्पात बनाने वाली कम्पनी **इलेक्ट्रो स्टील** एवं माफिया तत्वों द्वारा सैकड़ों एकड़ वन-भूमि के लुटेरों और ऐसे तत्वों को संरक्षण देने वाले अधिकारियों के गठजोड़ के खिलाफ जिस तरह के साहसिक कदम उठाए, इस पुस्तक में इसका भी संक्षिप्त उल्लेख किया गया है। संक्षिप्त इसलिए, क्योंकि सरकारी सेवा में रहते हुए एक ईमानदार एवं कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी के रूप में पूरी व्यवस्था की पोल खोलकर इससे अधिक लिख पाना संभवतः किसी भी व्यक्ति के लिए असंभव होगा।

कुमार मनीष अरविन्द की अन्य रचनाएं क्रमशः 'और कितनी यातनाएं' (हिन्दी कविता संग्रह), 'मिझायल सूर्यक नगर' (मैथिली कविता संग्रह), 'क्यों जंगल स्तब्ध खड़ा है' (हिन्दी कविता संग्रह), 'निछच्छ बताह भेल' (मैथिली कविता संग्रह), 'चियांकी राज बाबा' (मैथिली कथा संग्रह), 'शिखर पर जिजीविषा' (मैथिली संस्मरण), 'जिनगीक ओरियाओन करैत' (मैथिली कविता संग्रह), 'जीवन, वन और धरती माता' (हिन्दी पर्यावरण कविता संग्रह), 'शिखर पर जिजीविषा' (अनूदित हिन्दी संस्मरण) आदि भी काफी चर्चित हुईं। 'मिझायल सूर्यक नगर' को वर्ष 2002 में 'मैथिली सृजन सम्मान', निछच्छ बताह भेल को वर्ष 2013 में 'यात्री पुरस्कार' व वर्ष 2015 में 'कीर्ति नारायण मिश्र साहित्य सम्मान' आदि पुरस्कार प्राप्त हैं। उनकी यह रचना 'मिच्छामी दुक्कड़म' निश्चय ही एक प्रशंसनीय कीर्ति के साथ-साथ समाज के चिन्तकों, विचारकों और कर्तव्यनिष्ठ अधिकारियों के लिए प्रेरणादायक सिद्ध होगी। मेरी ओर से भाई मनीष अरविन्द जी को ढ़ेर सारी शुभकामनाएं!

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी विजय कुमार झा द्वारा दामिनी प्रिन्टर्स, जेब्री.- 12, सिटी सेन्टर, सेक्टर-4, बोकारो से मुद्रित एवं सेक्टर-3बी/94, बोकारो स्टील सिटी (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक : विजय कुमार झा***
प्रबंध संपादक : **कंचन झा**, दिल्ली ब्यूरो : **श्रवण कुमार झा,** फोन/फैक्स : (06542) 246899, E-mail : mithilavarnan@gmail.com, आरएनआई.पंजीयन संख्या : 48973/89 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिये जिम्मेवार)

Postal Reg. No.- DNB- 072/2021-23

आईएनएस विक्रांत... समंदर में भारत को मिली नई ताकत

ब्यूरो संवाददाता

नई दिल्ली : बदलते समय के साथ-साथ भारत की सामरिक ताकत में भी काफी क्रांतिकारी बदलाव हुए हैं। इसी कड़ी में इतिहास के पन्नों पर बीते हफ्ते 2 सितम्बर 2022 की तारीख भारतीय नौसेना के लिए स्वर्णाक्षरों में अंकित हो गई है, क्योंकि इस तिथि को नौसेना को स्वदेश में निर्मित देश का अपना पहला स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर मिल गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देश के इस पहले स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर आईएनएस विक्रांत को नौसेना को सौंप दिया गया है। इस मौके पर उन्होंने नए नौसेना ध्वज का भी अनावरण किया, जो छत्रपति वीर शिवाजी को समर्पित है, जिनकी समुद्री ताकत से दुश्मन कांपते थे। नए ध्वज के बारे में प्रधानमंत्री का कहना है कि नौसेना के झंडे पर अभी तक गुलामी की तस्वीर थी, जिसे अब हटा दिया गया है और नया ध्वज नौसेना के बल और आत्मसम्मान को बल देगा। इसमें पहले नौसेना के ध्वज में लाल क्रॉस का निशान होता था, जिसे हटाते हुए ध्वज में अब बायीं ओर तिरंगा तथा दायीं ओर अशोक चक्र का चिह्न अंकित किया गया है और इसके नीचे लिखा है 'शं नो वरुणः' यानी वरुण हम सबके लिए शुभ हों। आईएनएस विक्रांत के समुद्र में जलावतरण के अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी का इस विमानवाहक पोत के बारे में कहना था कि यह सशक्त भारत की शक्तिशाली तस्वीर है और यह बताता है कि मन में ठान लो तो कुछ भी असंभव नहीं है।

दरअसल, एक ओर जहां भारत का चीन के साथ लंबे समय से सीमा-विवाद जारी है, वहीं दूसरी ओर रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद से वैश्विक स्तर पर तेजी से समीकरण बदल रहे हैं, ऐसे में भारत के लिए रक्षा के हर मोर्चे पर ताकतवर बनना आज समय की सबसे बड़ी मांग है और कहना गलत नहीं होगा कि नौसेना के बेड़े में आईएनएस विक्रांत के शामिल होने के बाद समंदर में भारत की ताकत में कई गुना वृद्धि हो गई है। विक्रांत को लेकर प्रधानमंत्री का कहना है कि आईएनएस विक्रांत ने भारत को नए भरोसे से भर दिया है और यह न केवल भारत के लिए खास है बल्कि गौरवमयी भी है और यह केवल एक वॉरशिप नहीं है बल्कि समंदर में तैरता शहर है, जो 21वीं सदी के भारत के कठिन परिश्रम, कौशल और कर्मठता का प्रमाण है।

पूर्ण स्वदेशी अवतार में पुनर्जन्म

स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर आईएनएस विक्रांत का निर्माण कर भारत आज उन देशों की सूची में शामिल हो गया है, जो अपनी तकनीक से ऐसे बड़े एयरक्राफ्ट कैरियर बना सकते हैं। भारत से पहले यह क्षमता दुनिया के केवल पांच देशों अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और इंग्लैंड में ही थी। भारत के पहले विमानवाहक पोत का नाम आईएनएस विक्रांत था और उसी को श्रद्धांजलि देने के लिए ही भारत के पहले स्वदेशी विमानवाहक पोत का नाम भी 'आईएनएस विक्रांत' ही रखा गया है। पुराना आईएनएस विक्रांत ब्रिटेन से खरीदा गया युद्धपोत था, जिसे भारतीय नौसेना में 4 मार्च 1961 में कमीशन किया गया था, जिसने 1971 की जंग में अपने सीहॉक लड़ाकू विमानों से बांग्लादेश के चिटगांव, कॉक्स बाजार और खुलना में दुश्मन के ठिकानों को तबाह कर दिया था। 31 जनवरी 1997 को उसे नौसेना से रिटायर कर दिया गया था और 25 साल से भी ज्यादा लंबे अंतराल के बाद एक बार फिर से आईएनएस विक्रांत का पूर्ण स्वदेशी अवतार में पुनर्जन्म हुआ है।

35 विमान एक साथ किए जा सकते हैं तैनात

45 हजार टन के डिस्प्लेसमेंट वाला आईएनएस विक्रांत 52 किलामीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से समंदर में दौड़ सकता है। कोचीन शिपयार्ड में निर्मित किए गए आईएनएस विक्रांत की लंबाई 860 फीट, बीम 203 फीट, गहराई 84 फीट और चौड़ाई 203 फीट है। इसके ऊपर 30 से 35 विमानों को तैनात किया जा सकता है। बराक मिसाइलों से लैस इस एयरक्राफ्ट कैरियर पर ब्रह्मोस जैसी सुपरसोनिक मिसाइलों को भी तैनात किया जा सकता है, जिसके लिए इंटीग्रेशन का कार्य किया जा रहा है। आईएनएस विक्रांत वास्तव में स्वदेशी सामर्थ्य, स्वदेशी संसाधन और स्वदेशी कौशल का प्रतीक है। 20 हजार करोड़ रुपये की लागत से 76 फीसदी स्वदेशी उपकरणों से निर्मित दो फुटबॉल ग्राउंड के बराबर आईएनएस विक्रांत मौजूदा समय में देश का दूसरा एयरक्राफ्ट कैरियर है। इससे पहले विदेश से खरीदा गया आईएनएस विक्रमादित्य नौसेना के जंगी बेड़े में शामिल है।

निर्माण में बीएसएल सहित सेल के कई संयंत्रों का लगा है 30000 टन डीएमआर प्लेट

बोकारो : देश की सार्वजनिक क्षेत्र की महारत्न स्टील उत्पादक कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने देश के पहले स्वदेशी रूप से निर्मित एयरक्राफ्ट कैरियर आईएनएस विक्रांत के लिए सारी डीएमआर ग्रेड स्पेशियलिटी स्टील की आपूर्ति की है। कंपनी ने इस बड़ी उपलब्धि को हासिल करने के साथ आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में भागीदारी निभाते हुए, भारतीय नौसेना के इस पहले स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर के निर्माण के लिए करीब 30000 टन डीएमआर ग्रेड स्पेशियलिटी स्टील की आपूर्ति की है। यह स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर आईएनएस विक्रांत कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड से 02 सितंबर, 2022 को चालू होगा। इस स्वदेशी परियोजना के लिए सेल द्वारा आपूर्ति किए गए स्टील में विशेष डीएमआर ग्रेड प्लेट्स शामिल हैं। इन डीएमआर ग्रेड प्लेट्स को सेल ने भारतीय नौसेना और डीएमआरएल के सहयोग से विकसित किया है। इस युद्धपोत के पतवार और पोत के अंदरूनी हिस्सों के लिए ग्रेड 249 ए और उड़ान डेक के लिए ग्रेड 249 बी की डीएमआर प्लेटों का उपयोग किया गया। इस युद्धपोत के लिए बल्ब बार को छोड़कर, स्पेशियलिटी स्टील की पूरी आपूर्ति कंपनी के एकीकृत इस्पात संयंत्रों - भिलाई, बोकारो और राउरकेला द्वारा की गई है। आईएनएस विक्रांत के निर्माण में उपयोग किया गया यह विशेष ग्रेड स्टील - डीएमआर प्लेट आयात में कमी लाने में मददगार है।

भारत के पहले स्वदेशी विमानवाहक पोत चालू होना भारत की आजादी के 75 साल के अमृतकाल के दौरान देश के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है और यह देश के आत्मविश्वास और कौशल का प्रतीक भी है। यह स्वदेशी विमानवाहक पोत देश के तकनीकी कौशल एवं इंजीनियरिंग कौशल का प्रमाण है। विमानवाहक युद्धपोत बनाने में भारत की आत्मनिर्भरता की सक्षमता का प्रदर्शन, देश के रक्षा स्वदेशीकरण कार्यक्रमों और 'मेक इन इंडिया' अभियान को सुदृढ़ करेगा। आईएनएस विक्रांत के चालू होने के साथ, हमारा देश विश्व के उन विशिष्ट देशों के क्लब में प्रवेश कर गया है जो स्वयं अपने लिए विमान वाहक बना सकते हैं और इस उत्कृष्ट इंजीनियरिंग का भागीदार बनना सेल के लिए बेहद खुशी की बात है।